अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की पंचम बैठक का कार्यवृत

शनिवार, २८ दिसंबर २०२४, समयः ३.०० बजे

सम्मेलन कार्यालय सभागार, डकबैक हाउस, कोलकाता

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की सत्र २०२३-२५ की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की पंचम बैठक शनिवार, २८ दिसंबर २०२४, को सम्मेलन के केंद्रीय कार्यालय एवं जूम के माध्यम से राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया की अध्यक्षता में आयोजित हुई।

बैठक में निम्नलिखित कार्यकारिणी सदस्यों की उपस्थिति रहीः-

श्री शिव कुमार लोहिया	श्री नन्द लाल रुँगटा	श्री राम अवतार पोद्दार	श्री संतोष सराफ
श्री दिनेश जैन	श्री राज कुमार केडिया	श्री निर्मल कुमार झुनझुनवाला (जूम)	श्री मधुसूदन सिकरीया (जूम)
डॉ. सुभाष अग्रवाल (जूम)	श्री कैलाशपति तोदी	श्री पवन कुमार जालान	श्री संजय गोयनका
श्री केदारनाथ गुप्ता	श्री पवन कुमार गोयनका (जूम)	श्री सीताराम अग्रवाल (जूम)	श्री राम प्रकाश भंडारी (जूम)
श्री आत्माराम सोंथलिया	श्री नंद किशोर अग्रवाल	श्री बसंत मित्तल (जूम)	श्री जुगल किशोर जाजोदिया
श्री नंदलाल सिंघानिया	श्री रघुनाथ झुनझुनवाला	श्री पवन बसंल	श्री नारायण प्रसाद डालमिया
श्री रमेश बंग (जूम)	श्री विजय गोयल (जूम)	श्री विश्वनाथ भुवालका (जूम)	श्री मोहनलाल बजाज (जूम)
श्री ओम प्रकाश खंडेलवाल (जूम)	श्री विकाश खंडेलवाल (जूम)		श्री पवन टिबड़ेवाल (जूम)
श्री सुदंर लाल शर्मा (जूम)	श्रीमती सुषमा अग्रवाल (जूम)		

निम्नलिखित सदस्यों ने अनुपस्थिति की सुचना दीः-

डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया	श्री संजय हरलालका	श्री ओम प्रकाश अग्रवाल	श्री विनय सरावगी
श्री रंजीत जालान	श्री नरेंद्र कुमार तुलस्यान		

राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक ओंकार की तीन बार ध्वनि के साथ प्रारंभ हुई।

कार्यसुची १ः अध्यक्षीय उद्‌गार।

बैठक में सर्वप्रथम राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया ने सभी उपस्थित सदस्यों का अभिवादन किया और सम्मेलन की गतिविधियों के ऊपर संक्षेप में प्रकाश डाला एवं कहा कि सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य समाज सुधार और संस्कार-संस्कृति-चेतना ही हैं। इस विषय में उन्होंने एक विस्तृत दिशा-निर्देश की रुपरेखा प्रस्तुत की। श्री लोहिया ने सभी प्रांतो को सम्मेलन की गतिविधियों के विषय में बताया कि सम्मेलन के मुख्य कार्यक्रम के साथ सभी प्रांतों को जुड़ना चाहिए। इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि घोषित किए गए पंच सुत्रीय कार्यक्रम पर जोर देने की आवश्यकता हैं। श्री लोहिया ने स्थापना दिवस पर कोलकाता में आयोजित समारोह की अपार सफलता के लिए सदस्यों को बधाई एवं धन्यवाद दिया। इन्होंने बताया कि प्रांतों से भी स्थापना दिवस पालन के समाचार लगातार आ रहे हैं। हाल ही में अरुणाचल प्रदेश में भी एक नई शाखा खुलने का समाचार भी आया हैं। हमें इस सत्र में सम्मेलन का नारा आपणो समाज-एक समाज-श्रेष्ठ समाज को सफल बनाने के लिए सभी संभव प्रयास करने चाहिए। उन्होंने सभी सदस्यों से सम्मेलन के सोशल मीडिया से जुड़ने का निवदेन किया। श्री लोहिया ने बताया कि यह हर्ष का विषय हैं कि सम्मेलन भवन निर्माण संबंधी कार्य दुर्तगति से अग्रसर हो रही हैं।

कार्यसुची २ः गत बैठक का कार्यवृत पारित करना।

राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाशपति तोदी ने राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की पिछली बैठक (२१ जुलाई २०२४) बेंगलुरु का कार्यवतृ प्रस्तुत किया, जिसे राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति के सभी सदस्यों द्वारा सर्वसम्मति से पारित किया गया।

कार्यसूची ३ः महामंत्री द्वारा विगत कार्यकलापों की जानकारी।

राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाशपति तोदी ने पिछली बैठक के बाद के सम्मेलन की गतिविधियों पर महामंत्री की रपट प्रस्तुत की। आगे श्री तोदी ने झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन एवं उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की केसिंगा शाखा से प्राप्त दो पत्रों को सभा पटल पर रखा जिसमें रांची एवं केसिंगा में निर्माणधीन भवनों के लिए अनुदान देने की अपील की गई है। इस संबंध में सुझाव दिया गया कि प्रांतो को अनुदान देने के लिए एक पॉलिसी निर्धारित करने की आवश्यकता हैं। विचार विमर्श करके उचित निर्णय लेना चाहिए। यह जानकारी आवश्यक है कि निर्माण में प्रांतीय सम्मेलन या उनके द्वारा गठित ट्रस्ट में प्रातीय सम्मेलन का समुचित प्रतिनिधित्व रहना चाहिए। इसके लिए प्रांतों को अपने निवेदन पत्र के साथ आवश्यक कागजात संलग्न करने चाहिए।

कार्यसूची ४: संगठन-विस्तार तथा प्रांतो की सक्रियता पर प्रभारी उपाध्यक्षों की संक्षिप्त रपट।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं झारखंड, छत्तीसगढ़ एवं मध्य प्रदेश प्रांत के राष्ट्रीय प्रभारी श्री राज कुमार केडिया ने छत्तीसगढ़ के विषय में बताया की जनवरी २०२५ में नई शाखा खोलने का प्रयास हो रहा हैं। श्री केडिया ने बताया की झारखंड के २४ जिलों में काम हो रहा हैं। झारखंड प्रांत के ट्रस्ट के भवन निर्माण के संबंध में कुछ भ्रांतिया हैं। उसे दूर करने का प्रयास चल रहा हैं। मध्य प्रदेश में गति थोड़ी धीमी हैं उस पर कार्यवाही हो रही हैं।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं केरल, महाराष्ट्र एवं पश्चिम बंग प्रांत के राष्ट्रीय प्रभारी श्री दिनेश जैन ने सभा को बताया कि केरल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन का चुनाव अभी हाल ही में संपन्न हुए। महाराष्ट्र में चुनाव पहले ही करा लिया गया हैं, वहाँ नए सदस्यों की संख्या भी बढ़ी हैं। सभी प्रांत गतिशील हैं।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं बिहार, उत्कल एवं आंध्र प्रदेश प्रांत के राष्ट्रीय प्रभारी श्री निर्मल कुमार झुनझुनवाला ने बताया की बिहार में प्रांतीय अध्यक्ष का ६५ प्रतिशत शाखाओं का दौरा संपूर्ण हो चुका हैं। उत्कल में गतिविधियाँ बहुत ही अच्छे ढंग से हो रही हैं। अभी हाल ही में उत्कल प्रांत के बरगढ़ में अग्रसेन जंयती समारोह एवं संबलपुर और बोलांगीर में अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया एवं राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाशपति तोदी आमंत्रित थे। आंध्र प्रदेश में चुनाव करवा लिए गए हैं और वहाँ सदस्यों की संख्या निरंतर बढ़ोत्तरी हो रही हैं।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं पूर्वोत्तर, गुजरात एवं सिक्किम प्रांत के राष्ट्रीय प्रभारी श्री मधुसूदन सीकरिया ने बताया की पूर्वोत्तर प्रांत में गति के साथ काम हो रहा है, हाल ही में अरुणाचल प्रदेश में भी एक नई शाखा खुली हैं। गुजरात प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा आगामी फरवरी माह में अहमदाबाद एवं बड़ौदा में शाखा खोलने का प्रयास किया जा रहा हैं। सूरत में परिचय सम्मेलन एवं सम्मान समारोह में आयोजित होने की जानकारी उन्होंने दी। सिक्किम प्रांत के बारे में बताते हुए कहा कि क्षेत्रफल की दृष्टि से देखा जाय तो सिक्किम प्रांत बहुत छोटा होने की वजह से नई शाखाएं खोलने में असुविधाएं आ रही हैं, लेकिन हम सभी प्रयास कर रहे हैं।

कार्यसूची ५: प्रांतीय अध्यक्षों/महामंत्रियों द्वारा प्रांतीय सम्मेलनों की रपट।

पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष श्री नंदकिशोर अग्रवाल ने सभा को बताया कि १७ शाखाओं में से १५ शाखाओं में नई कमेटी बन चुकी हैं। उन्होंने कुछ समस्याओं के निदान हेतु केंद्रीय नेतृत्व के साथ एक बैठक करने की बात कही। राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाशपति तोदी जी ने उनको आश्वस्त किया कि आप जब भी चाहे हमलोगों के साथ बैठक करके आगे के विषय पर विचार-विमर्श कर सकते हैं।

झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष श्री बसंत मित्तल ने जूम के माध्यम से अपनी बातों को रखा। उन्होंने बताया कि झारखंड के २४ जिलों में चुनाव संपन्न करा लिए गए हैं। श्री मित्तल ने बताया कि प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन ट्रस्ट द्वारा ३६०० वर्गफीट की जगह ली गई हैं। उन्होंने भवन के क्रय में सहयोग हेतु केंद्र को पत्र जारी कर सहयोग की अपेक्षा की हैं। उन्होंने साथ ही साथ अगले दो-तीन महिनों में प्रांत के अध्यक्षीय चुनाव हेतु सुचना जारी करने की बात कही।

कर्नाटक प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष श्री सीता राम अग्रवाल ने बताया कि अभी हाल ही में एक प्रोफेशनल शाखा खोली गई हैं, इसके लिए उन्होंने राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. सुभाष अग्रवाल के प्रयासों को धन्यवाद दिया साथ ही हुबली के अलावा अन्य दो-तीन जगहों पर शाखा खोलने का प्रयास चल रहा हैं।

तेलंगाना प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष श्री रामप्रकाश भंडारी ने जूम (विडियों) के माध्यम से सभा को आश्वासन दिया कि तेलंगाना में जल्द ही नई शाखाएं खोली जाएंगी एवं उन्होंने राष्ट्रीय पदाधिकारियों को प्रांतीय दौरे कराने के बारे में भी जानकारी देने की बात कही। श्री भंडारी ने बताया कि आने वाले दिनों में तेलंगाना में सम्मेलन की गतिविधियाँ तेज होंगी, साथ ही उन्होंने सभा को यह भी बताया की आगामी दिनों में हाल ही में सीए की परिक्षा में उत्तीर्ण अभियार्थीयों के लिए एक सम्मान समारोंह का आयोजन किया जाएगा।

दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीयमहामंत्री श्री सुंदर लाल शर्मा ने दिल्ली प्रांत में किए जाने कार्यों पर अपनी रपट सभा के समक्ष प्रस्तुत की।

कार्यसूची ६: राष्ट्रीय, प्रांतीय स्तर पर किए जा रहे कार्यों पर विस्तृत चर्चा एवं दिशा-निर्देश।

पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं दिल्ली प्रांत के पूर्व अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय समाज सुधार एवं समरसता उपसमिति के चेयरमैन श्री पवन कुमार गोयनका ने बताया की हाल ही में उनके केरल दौरे पर सम्मेलन के ६०वें स्थापना दिवस के अवसर पर केरल प्रांत में एक समाज सुधार के ऊपर बैठक हुई। उन्होंने समाज सुधार के ऊपर पिछली दिनों दिल्ली एवं पूर्वोत्तर दौरे के दौरान बैठकों का भी जिक्र किया।

पूर्वोत्तर प्रांत के निवर्तमान अध्यक्ष श्री ओम प्रकाश खंडेलवाल ने पूर्वोत्तर प्रांत की गतिविधियों में तेजी आने की बात बतायी।

कार्यसूची ७: प्रांतों के लंबित चुनाव पर चर्चा

राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाशपति तोदी ने कार्यकारिणी समिति की सभा में सदस्यों को प्रांतो के लंबित चुनाव के विषय में बताया कि अभी उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ प्रांत में समय पर चुनाव करवाने की प्रक्रिया को शुरु करने हेतु पत्र जारी किया जाएगा। छत्तीसगढ़ के संबंध में उन्होंने बताया कि उन्हें प्रांतीय अध्यक्ष के चुनाव संबंधी कई पत्र जारी किए गए हैं लेकिन अभी तक कोई सटीक उत्तर हमें प्रांत से प्राप्त नहीं हुए हैं। इस विषय में छत्तीसगढ़ प्रांत के प्रभारी से बात कर जल्द से जल्द चुनाव की प्रक्रिया को शुरु करवाया जाएगा।

कार्यसूची ८: राष्ट्रीय बैठकों हेतु विचार-विमर्श एवं निर्णय।

राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक में यह भी प्रस्ताव दिया गया कि प्रांत राष्ट्रीय बैठकों जैसे राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति, अखिल भारतीय समिति एवं राष्ट्रीय अधिवेशन की आतिथ्य करने पर प्रांत को राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक हेतु रुपये २५,०००/- (पच्चीस हजार), अखिल भारतीय समिति की बैठक हेतु रुपये ५०,०००/- (पचास हजार) एवं सम्मेलन का राष्ट्रीय अधिवेशन अगर हो तो रुपये १,००,००० (एक लाख) का आर्थिक सहयोग राशि केंद्र द्वारा दी जानी चाहिए। उक्त विषय पर विचार-विमर्श के बाद राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक में उपस्थित सदस्यों ने सर्वसम्मति से इसे पारित किया।

कार्यसूची ९: पूर्व माननीय राष्ट्रीय अध्यक्षों का मार्गदर्शन।

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नन्द लाल जी रुँगटा ने सर्वप्रथम राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति के सभी सदस्यों का अभिवादन किया। उन्होंने कहा कि राजस्थानी भाषा पर अपनी पकड़ मजबुत करनी चाहिए। अपनी राजस्थानी भाषा की पुस्तक में **शीर्षक** को भी शामिल करनी चाहिए एवं उसका निरंतर **अद्यतन** भी होते रहना चाहिए। अपनी राजस्थानी भाषा पर शोध करने हेतु हमें प्रोफेशनल को नियुक्त करना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि सम्मेलन के पूरोधा पूरुष स्व. नंदकिशोर जी जालान की स्मृति में एक पुरस्कार की घोषणा की जानी चाहिए जो विशिष्ट एवं सांगठनिक कार्यों पर निर्धारित हों। उन्होंने पुरस्कार से संबंधित विषय पर कहा कि हमें पुरस्कारों की श्रंखला में पुरस्कार ना लिखकर सम्मान लिखना चाहिए। श्री रुँगटा ने कहा कि प्रत्येक प्रांत में कम से कम पाँच शाखाएं होनी चाहिए और सभी शाखाओं में अपने सम्मेलन की गतिविधियों पर फोकस होना चाहिए। उन्होंने कहा कि हाइब्रिड मोड की बैठकों को न करके बैठकों को पूरा प्रत्यक्ष या फिर पूरा ऑनलाईन मोड में किया जाय। अंत में उन्होंने सम्मेलन के राष्ट्रीय पदाधिकारियों एवं समिति के सदस्यों के बारे में भी कहा कि यदि कोई पदाधिकारी या समिति का सदस्य सम्मेलन की गतिविधियों में सहयोग अथवा समय नहीं दे पा रहे हैं तो उनकी जगह अन्य किसी को शामिल करना चाहिए।

सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष श्री संतोष जी सराफ ने उच्च शिक्षा उपसमिति के विषय में जानकारी दी कि और कहा कि इस वित्तीय वर्ष २०२४-२५ में उच्च शिक्षा पर सम्मेलन द्वारा १५ लाख रुपये छात्र-छात्राओं को दिया जा चुका हैं। अभी १५ विद्यार्थियों की पढ़ाई जारी हैं आगे उच्च शिक्षा सहयोग में कुछ बदलाव करने की जरुरत हैं जिसमें बाहरवीं कक्षा के बाद से छात्र-छात्राएं यदि कोई प्रोफेशनल कोर्स की पढ़ाई करें तो उनको सहयोग किया जा सके। श्री सराफ ने भवन निर्माण के विषय में सभा को बताया की भवन निर्माण के संबंध में कागजी कार्रवाई लगभग पूरे होने के कगार पर हैं, भवन निर्माण के कार्य को जल्द से जल्द शुरु करने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने वर्तमान सत्र में चल रही सम्मेलन की गतिविधयों पर संतोष व्यक्त किया।

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री राम अवतार जी पोद्दार ने सभी का अभिवादन किया। उन्होने बताया की हमें प्रांतो के चुनाव पर विशेष ध्यान देना चाहिए एवं साथ ही साथ प्रांतो से उनके आर्थिक अकाउंटस भी मंगवाने चाहिए।

कार्यसुची १०: विविध अध्यक्ष की अनुमति से।

वित्तीय उपसमिति के चेयरमैन श्री आत्माराम सोंथलिया ने सुझाव दिया कि स्वास्थ्य संबंधी जानकारियाँ सदस्यों को मुहैया कराने का प्रयास होना चाहिए। राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री केदार नाथ गुप्ता ने १ अप्रैल २०२४ से १५ दिसंबर २०२४ तक की वित्तीय अवस्था की जानकारी समिति के समक्ष सभा पटल पर प्रस्तुत किए। अंत में राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री श्री पवन कुमार जालान ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष राष्ट्रीय महामंत्री